

खेल विधि

* फ्राबेल (जर्मन) - खेलों के माध्यम से सिखना।

* हैनरी कॉल्ड वेल कुक (प्रतिपादक)

पुस्तक - The Play way

परिभाषा :- खेल बालक की स्वाभाविक प्रवृत्ति है, जितना मन बालक का खेल में लगता है और किसी कार्य में नहीं।

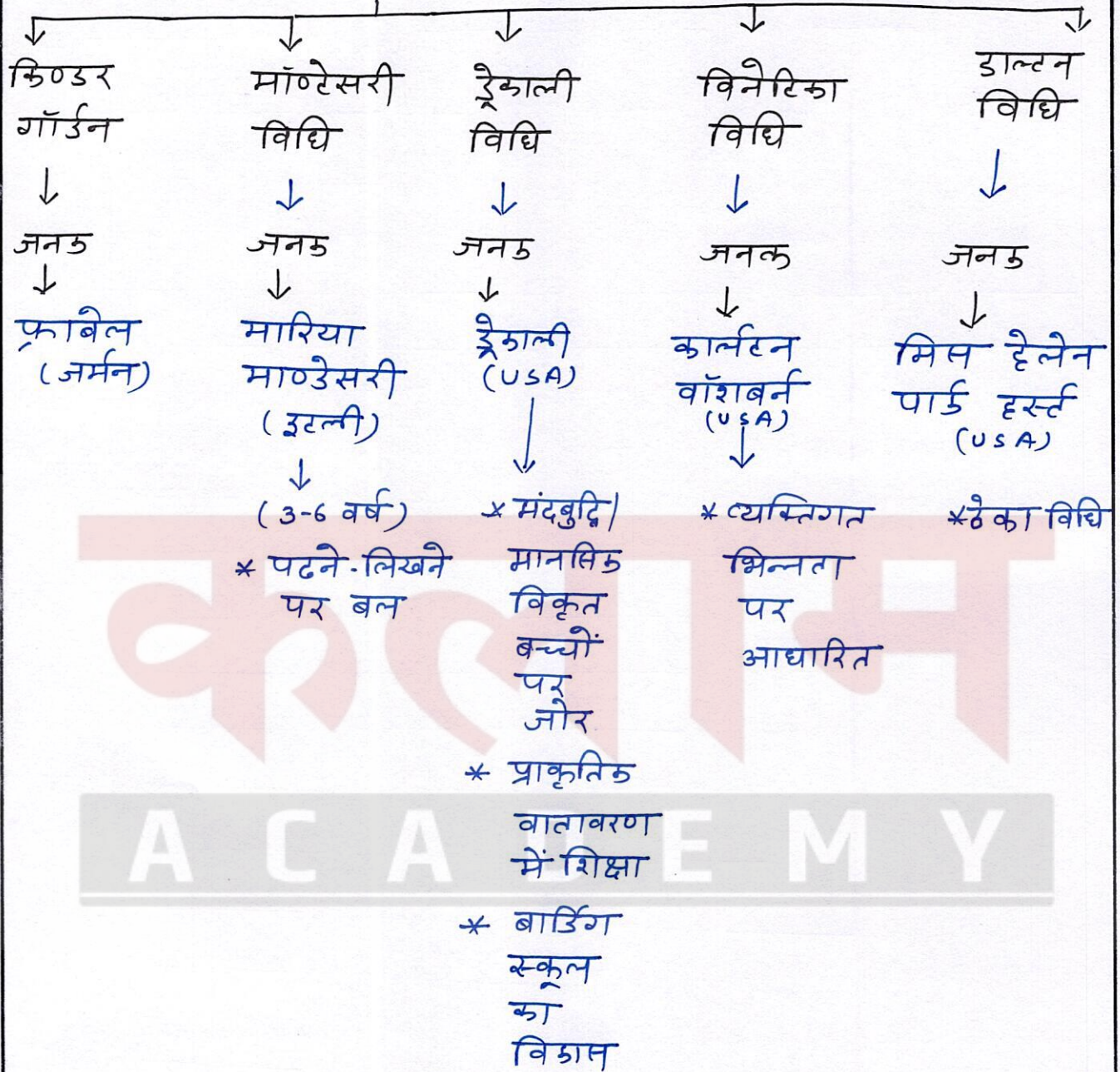
विशेषताएं :-

- ① अच्छी व उपयोगी आदतों का निर्माण।
- ② भाषा शिक्षण में उपयोगी।
- ③ प्राथमिक स्तर पर उपयोगी।
- ④ सामाजिक गुणों का विकास।
- ⑤ सकारात्मक अभिवृत्तियों का विकास।
- ⑥ सृजनात्मक / रचनात्मकता का विकास।
- ⑦ शारीरिक, मानसिक, संवेगात्मक विकास।
- ⑧ रुचिकर व भयमुक्त।

खेल विधि के सिद्धांत :-

- ① पूर्व अभिनय का सिद्धांत
- ② मूल प्रवृत्ति का सिद्धांत
- ③ पुनरावृत्ति का सिद्धांत
- ④ पुनः प्राप्ति का सिद्धांत
- ⑤ परिष्कार का सिद्धांत
- ⑥ अतिरिक्त शक्ति का सिद्धांत

विधियाँ

* डाल्टन विधि :-

कालाश नदी
कक्षा नदी
मूल्यांकन नदी

- * 8-12 वर्ष के बच्चों के लिए 'children University' खोला
- * स्वाध्याय पर बल।
- * विद्यालय व्यवस्था, न की कोई विधि
- * हाउस प्रणाली का जनक

किण्डर गार्डन विधि :- फ्राबेल (जर्मन शिक्षाशास्त्री)

* बालोद्यान विधि

शिक्षक - माली

बालक - किण्डर

स्कूल - गार्डन / बगीचा

* 1837 — लैकनबर्ग (जर्मन)

→ किण्डर गार्डन स्कूल खोला।

* 1839 - 4-8 वर्ष (पूर्व प्राथमिक शिक्षा)

→ अनौपचारिक शिक्षा

फ्राबेल उपहार (गिफ्ट) - 20 प्रकार

↳ T Lm (शिक्षण अधिगम सामग्री)

↓

(सहायक सामग्री)

शिक्षक - पथ प्रदर्शक / मार्गदर्शक

शिक्षार्थी - प्रधान

स्वाध्याय

* सिद्धान्त :- ① आत्म क्रिया का सिद्धान्त

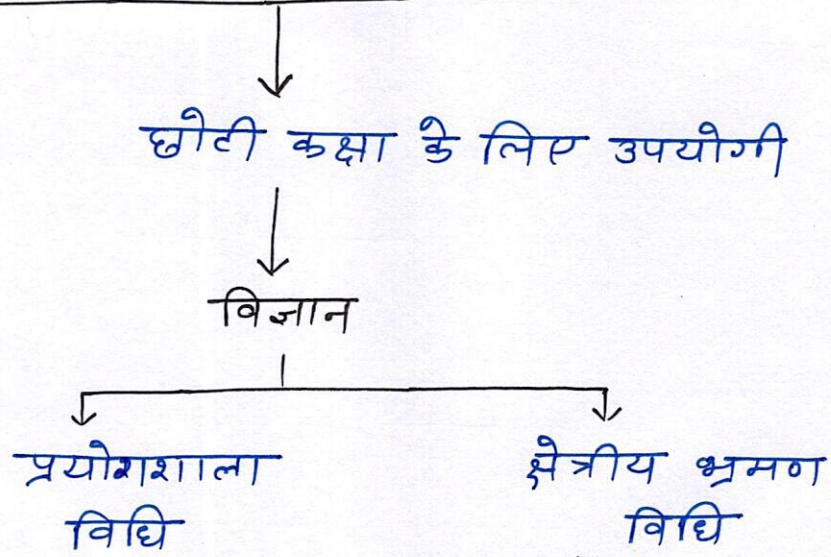
② स्वयं अभिव्यक्ति का सिद्धान्त

③ सामाजिकता का सिद्धान्त

④ खेल द्वारा शिक्षा सिद्धान्त

⑤ स्वः अनुशासन का सिद्धान्त

अवलोकन / निरीक्षण / प्रपेक्षण विधि



* देखने व समझने की प्रक्रिया।



* बच्चों द्वारा इन्द्रियों का प्रयोग।

* विशेषताएँ :- ① प्रत्यक्ष ज्ञान प्राप्त करना।

② बालक की जिज्ञासा, चिन्ता, मौलिकता आदि का विकास।

③ आत्म निरीक्षण व तर्क शक्ति का विकास।

कहानी विधि

- छोटे बच्चों की सिखाने की सर्वोत्तम विधि - प्लेटी
- * मनोरंजन के माध्यम से विषय-वस्तु का ज्ञान कराना।
- * बालक सक्रिय एवम् एकाग्रचित रहता है।
- * बालकों का सामाजिकरण, सृजनात्मकता का विकास, कल्पना शक्ति का विकास, अभिव्यक्ति का विकास।

कलाम
ACADEMY